

15/5/25

लावली काज प्राचीन मय वहील
 के प्राचीन पत्र पर लकड़ उठी-छेदी
 छल वाड विद्रो छिया जा चुकई
 फल: फाकेल के खाने की माफवाकी
 इकी लर पर लपान की गमल
 फाकेल विद्रो छिया जागई। लावली
 प्रशाल सुपार छेक। दखिल दखली
 लिप्या से भइई।

रुजमानिने ट

शतमई

१०

सहायक कलक्टर
(फारम) बौहदन

